

शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव

अकादमिक कैलेण्डर

शैक्षणिक सत्र 2020-21

(कोविड-19 संक्रमण के कारण केवल इसी सत्र हेतु)

1.	प्रवेश प्रक्रिया	
	अ.स्नातक प्रथम वर्ष हेतु	1/8/2020 से 31/8/2020
	ब.अन्य कक्षाओं हेतु	वि.वि. द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने के 10 दिवस के अंदर
2.	नियमित कक्षायें प्रारंभ (प्रथम वर्ष)	1/11/2020 द्वितीय, तृतीय वर्ष की कक्षाएं परीक्षा परीणाम घोषित होने के 10 दिवस के अंदर
3.	खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियां	
	अ. खेलकूद प्रतिस्पर्धा प्रारंभ (इंडोर, आउटडोर)	इस वर्ष की विषम परिस्थितियों के कारण गतिविधियों के आयोजन शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों के अधीन रहेंगे।
	ब. खेलकूद प्रतिस्पर्धाओं का समापन (इंडोर, आउटडोर)	
	स. महाविद्यालय स्तर पर खेलकूद (इंडोर आउटडोर) का वार्षिक आयोजन एवं पुरस्कार वितरण	
4.	एन.एस.एस. एवं अन्य गतिविधियां	
	अ. वृक्षारोपण कार्यक्रम	इस वर्ष की विषम परिस्थितियों के कारण गतिविधियों के आयोजन शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों के अधीन रहेंगे।
	ब. एन.एस.एस. कैम्प	
	स. महाविद्यालय स्तर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन	
5.	विभिन्न अवकाश	
	अ. दशहरा अवकाश (3 दिन)	24/10/2020 से 26/10/2020
	ब. दीपावली अवकाश (4 दिन)	12/11/2020 से 15/11/2020
	स. शीतकालीन अवकाश (3 दिन)	24/12/2020 से 26/12/2020
	द. ग्रीष्मकालीन अवकाश (15 दिन)	16/06/2021 से 30/06/2021

6.	आंतरिक परीक्षाओं का कार्यक्रम		
	अ. आंतरिक मुल्यांकन		दिसंबर में
	ब. आंतरिक मुल्यांकन		जनवरी में
7.	वार्षिक परीक्षा कार्यक्रम		
	अ. वार्षिक प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन		वि.वि द्वारा जारी परीक्षा समय सारिणी के अनुसार (केवल इस सत्र हेतु)
	ब. वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन		वि.वि द्वारा जारी परीक्षा समय सारिणी के अनुसार (केवल इस सत्र हेतु)
8.	अध्यापन कार्य दिवस सामान्य अवकाश छोड़कर		
	2020 नवंबर		20 दिवस
	2020 दिसंबर		24 दिवस
	2021 जनवरी		26 दिवस
	2021 फरवरी		24 दिवस
	2021 मार्च		25 दिवस
	2021 अप्रैल		23 दिवस
	2021 मई		25 दिवस

सेमेस्टर कक्षाओं के लिए अकादमिक कैलेंडर सत्र 2020-21

9.	अकादमिक कार्य का विवरण		
	कक्षाएँ प्रारंभ	1 नवम्बर 2020	22 फरवरी 2021
	शैक्षणिक कार्य	1 नवम्बर 2020 से 15 जनवरी तक	22 फरवरी 2021 से 17 मई 2021 तक
	प्रायोगिक परीक्षाएँ	जनवरी 2021 तृतीय सप्ताह	मई 2021 के चतुर्थ सप्ताह
	परीक्षा पूर्व तैयारी	16 जनवरी 2021 से 22 जनवरी 2021 तक	18 मई 2021 से 24 मई 2021 तक
	सेमेस्टर परीक्षा	01 फरवरी 2021 से 15 फरवरी 2021 तक	25 मई 2021 से 15 जून 2021 तक
	परीक्षा परिणाम	मार्च 2021 प्रथम सप्ताह	जुलाई 2021 द्वितीय सप्ताह

10. विशिष्ट निर्देश

प्रत्येक कार्य दिवस पर शिक्षक को महाविद्यालय शिक्षण विभाग में 07 घण्टे रुकना आवश्यक होगा।

1. महाविद्यालय का अध्ययन-अध्यापन अवधि — प्रातः 10:00 से 05:30 संध्या
2. 07 घण्टे का कार्य विवरण —
6 घण्टे अध्ययन-अध्यापन कार्य (प्रायोगिक, ट्रयटोरियल, रेमेडियल, शोधकार्य, लाईब्ररी वर्क शामिल हैं।)
1 घण्टा अन्य कार्य (खेलकूद, रिक्रियेशन, प्राचार्य द्वारा प्रदत्त कार्य, विद्यार्थियों का शंका समाधान, नैक मूल्यांकन संबंधी कार्य)
3. छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सभी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में हेल्प डेस्क का गठन कर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की जाएगी।
4. कोविड-19 के प्रभाव के कारण विलंब से सत्र प्रारंभ हो रहा है। अतः पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के लिए अध्ययन-अध्यापन हेतु अतिरिक्त आधे घण्टे के समय में वृद्धि की जावे।
5. अध्ययन-अध्यापन की पद्धति में सुधार करते हुए महाविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी मानक का विस्तार किया जाये। विद्यार्थियों को ई-लर्निंग पद्धति से अवगत कराया जाये। एवं शासन के ई-लर्निंग पोर्टल का उपयोग अध्यापन हेतु किया जाये।
6. गूगल क्लासरूम, गूगल हैंगआउट, सिसको, गूगल मीट, जियो मीट, वेबेक्स मीटिंग, स्ट्रीमिंग, स्वयंम प्लेटफार्म एवं स्वयं प्रभा जैसे ऑनलाईन माध्यम की सहायता से अध्ययन-अध्यापन किया जाए।
7. भविष्य में विषम परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्राध्यापकों को पर्याप्त प्रशिक्षण देकर ऑनलाईन अध्ययन-अध्यापन माध्यमों से तथा 70 प्रतिशत पाठ्यक्रम परम्परागत तरीके से पूर्ण कराया जाए।

नोट:— सत्र 2020-21 के अंतर्गत ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया तथा परिस्थितियों एवं निदेशों के अनुसार ऑनलाईन शैक्षणिक कार्य आदि के संबंध में निर्देश जारी किया जायेगा।

समय सारणी

आंतरिक परीक्षा (2020-21)

कक्षा- बी.ए. भाग - 1, 2 एवं 3

(समय 11.00 से 02.00 बजे तक)

दिनांक	दिन	कक्षा- बी.ए. भाग - 1	कक्षा- बी.ए. भाग - 2	कक्षा- बी.ए. भाग - 3
01/03/2021	सोमवार	आ०पा० हिन्दी	आ०पा० हिन्दी	आ०पा० हिन्दी
02/03/2021	मंगलवार	आ०पा० अंग्रेजी	आ०पा० अंग्रेजी	आ०पा० हिन्दी
03/03/2021	बुधवार	समाजशास्त्र	समाजशास्त्र	आ०पा० अंग्रेजी
04/03/2021	गुरुवार	अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र	समाजशास्त्र
05/03/2021	शुक्रवार	हिन्दी साहित्य	हिन्दी साहित्य	अर्थशास्त्र
06/03/2021	शनिवार	भूगोल	भूगोल	हिन्दी साहित्य
08/03/2021	सोमवार	इतिहास/अंग्रेजी साहित्य	इतिहास/अंग्रेजी साहित्य	भूगोल
09/03/2021	मंगलवार	राजनीति/गृहविज्ञान	राजनीति/गृहविज्ञान	इतिहास/अंग्रेजी साहित्य

नोट :-

1. परीक्षा पूर्णतः ऑनलाइन मोड पर होगी। प्रश्न पत्र वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रातः 10.30 बजे जाएंगे।

2. उत्तरपुरितका का पी.डी.एफ. बनाकर संबंधित विषय ग्रुप में उसी दिन दोपहर 02.30 बजे तक अनिवार्य रूप से भेजे। उसके बाद भेजे गए पी.डी.एफ. का मूल्यांकन नहीं होगा।

3. सभी विषयों की परीक्षा समाप्ति के पश्चात् दिनांक 10/03/2021 समय प्रातः 11.00 बजे से उत्तरपुरितकाएँ महाविद्यालय में जमा करनी होगी।

4. उत्तरपुरितकाओं को भेजे जाने पर उसे नकल प्रकरण मानते हुए उस प्रश्नपत्र में शून्य अंक दिए जाएंगे।



[Signature]
प्राचार्य

शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर, महाविद्यालय
कोण्डगांव (छ.ग.)

समय सारणी

आंतरिक परीक्षा (2020-21)

कक्षा— बी.काम भाग - 1, 2 एवं 3

(समय 11.00 से 02.00 बजे तक)

दिनांक	दिन	बी.काम भाग - 1	बी.काम भाग - 2	बी.काम भाग - 3
01 / 03 / 2021	सोमवार	आ०पा० हिन्दी	आ०पा० हिन्दी	आ०पा० हिन्दी
02 / 03 / 2021	मंगलवार	आ०पा० अंग्रेजी	आ०पा० अंग्रेजी	आ०पा० अंग्रेजी
03 / 03 / 2021	बुधवार	व्या० गणित + व्या० नियमन रूपरेखा	निगमीय लेखांकन + कम्पनी अधिनियम	प्रबंधकीय लेखांकन अंकेक्षण
05 / 03 / 2021	शुक्रवार	व्या०पर्यावरण + व्या० अर्थशास्त्र	व्या० सांख्यिकीय + उद्यमिता के सिद्धान्त आयकर	आयकर / अप्रत्यक्ष कर
08 / 03 / 2021	सोमवार	वित्तीय लेखांकन + व्या० संचार	लागत लेखांकन / प्रबंध के सिद्धान्त	विपणन के सिद्धान्त + अंतराष्ट्रीय विपणन

नोट :-

1. परीक्षा पूर्णतः ऑनलाइन मोड पर होगी। प्रश्न पत्र वाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से प्रातः 10.30 बजे जाएंगे।
2. उत्तरपुस्तिका का पी.डी.एफ. बनाकर संबंधित विषय प्राध्यापक के मोबाइल नम्बर में उसी दिन दोपहर 02.30 बजे तक अनिवार्य रूप से भेजे। उसके बाद भेजे गए पी.डी.एफ. का मूल्यांकन नहीं होगा।
3. सभी विषयों की परीक्षा समाप्ति के पश्चात् दिनांक 09 / 03 / 2021 समय प्रातः 11.00 बजे से उत्तरपुस्तिकाएँ महाविद्यालय में जमा करनी होगी।
4. उत्तरपुस्तिकाओं की मूल प्रति एवं पी.डी.एफ. में भिन्नता पाए जाने पर उसे नकल प्रकरण मानते हुए उस प्रश्नपत्र में शून्य अंक दिया जाएगा।



शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर, महाविद्यालय
कोण्डागाव (छ.ग.)

प्राध्यापक

समय सारणी

आंतरिक परीक्षा (2020-21)

कक्षा- बी.एससी. भाग - 1, 2 एवं 3

(समय 11.00 से 02.00 बजे तक)

दिनांक	दिन	बी.एससी. भाग - 1	बी.एससी. भाग - 2	बी.एससी. भाग - 3
01/03/2021	सोमवार	आंपां हिन्दी	आंपां हिन्दी	आंपां हिन्दी
02/03/2021	मंगलवार	आंपां अंग्रेजी	आंपां अंग्रेजी	आंपां अंग्रेजी
03/03/2021	बुधवार	रसायन / कम्प्यूटर साईन्स (C Programming) (Computer Fundamental)	रसायन / कम्प्यूटर साईन्स (HTML)	रसायन / कम्प्यूटर साईन्स (DBMS)
04/03/2021	गुरुवार	वनस्पतिशास्त्र / भौतिक	(Computer Hardware)	(Computer Hardware)
05/03/2021	शुक्रवार	प्राणीशास्त्र / गणित	वनस्पतिशास्त्र / भौतिक प्राणीशास्त्र / गणित	वनस्पतिशास्त्र / भौतिक प्राणीशास्त्र / गणित

नोट :-

1. परीक्षा पूर्णतः ऑनलाइन मोड पर होगी। प्रश्न पत्र वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रातः 10.30 भेजे जाएंगे।
2. उत्तरपुस्तिका का पी.डी.एफ. बनाकर संबंधित विषय प्राध्यापक के मोबाइल नम्बर में उसी दिन दोपहर 02.30 बजे तक अनिवार्य रूप से भेजे। इसके बाद भेजे गए पी.डी.एफ. का मूल्यांकन नहीं होगा।
3. सभी विषयों की परीक्षा सनापुरि के महाविद्यालय में जमा करने होगी।
4. उत्तरपुस्तिकाओं की मूल प्रतियाँ पी.डी.एफ. में भिन्नता पाए जाने पर उसे नकल प्रकरण मानते हुए उस प्रश्नपत्र में शून्य अंक दिये जाएंगे।



प्राचार्य

शासकीय गुण्डापुर स्नातकोत्तर, महाविद्यालय
कोण्डगांव (छ.ग.)

2. Bayman, Allan
1988
Quality and Quantity in Social Research
Unwin, Hyman, London.
3. Ethance, D.M.
Fundamental of Statistics
Demystifying social statistic.
Irvine, J. M et al (ed).
Pluto Press, London.
5. Lutz, G. M
1983
Understanding Social Statistics,
Macmillan Publishing co., Inc., New York.
6. Mukharjee, R.
1979
What will it be? Explorations in inductive sociology. Allied
Publishers, Bombay.
7. Mukherjee, P.N.
2000
Methodology in Social Research Dilemmas and
Perspectives. Essays in honour of Ramakrishna Mukharjee,
Sage Publication, New Delhi.
8. Wilkinson, T.S. and
Bhardaekar, P.L.
Young, P.V.
1977
Methodology and Techniques of Social Research: Himalaya
Publication House, Bombay.
Scientific Social Surveys and Research.
Prentice Hall of India, New Delhi.

Paper No. -VIII

SOCIOLOGY OF DEVELOPMENT

Marks-80

- Unit-I: Perspectives on Development**
- a. Modernization
 - b. Marxist
 - c. Dependency
 - d. Alternative
- Unit-II: Changing Conception of Human Development**
- a. Mainstream vs. Indigenous Model of Development
 - b. Human Indicator Index
 - c. Sustainable Development: Socio- Cultural
 - d. Impact of Bio-Technology and Information Technology on Development
- Unit-III: Indian Experience on Development**
- a. Sociological Appraisal of Five Year Plans
 - b. Social Consequences of Economic Reforms
 - c. Socio Cultural Impact of Globalization
 - d. Social Implication of InfoTech and Bio-Tech Revolution
- Unit-IV: Consequences of Development**
- a. Development and Displacement
 - b. Development and Socio- Economic Disparities
 - c. Ecological Degradation
 - d. Development and Migration.
- Unit-V: Issues and development in Contemporary India.**
- a. Social Exclusion
 - b. Gender Discrimination



- References:**
1. Alavi, H and Shann, T.
1982
Introduction to the study of Developing societies
Macmillan, London
 2. Amin, Samir-1979
Unequal Development, New Delhi
 3. Apter, D.C.
1987
Rethinking development
Sage, New Delhi
 4. Appadurai, A.
1997
Modernity at Large: Cultural Dimensions of Globalisation,
Oxford, New Delhi
 5. Berbergju, B. (ed)
1992
Class, State and Development in India, Sage, New Delhi
 6. Bhattacharya, S., 2000
Information and Communication: Technology in
Development, Sage, New Delhi.
 7. Carman, R 1996
Autonomous Development Vistaar, New Delhi
 8. Desai, A.R 1985
India's path of development: A Marxist Approach, Bombay,
popular Prakashan.
 9. Dreze, J and Sen, A.
1996
India, Economic Development and social Opportunity Oxford,
New Delhi
 10. Encyclopaedia of Social Sciences (Relevant Portions), Macmillan
Reorient
 11. Frank, A
2002
Vistaar, New Delhi
 12. Haq, M.V.
1991
Reflections on Human Development
Oxford, New Delhi
 13. Melkote, S.R.
1991
Communications for Development in Third WorldSage, New
Delhi
 14. Naidu, R.
1971
Values in Models of Modernisation
Vikas, New Delhi
 15. Pieterse, N.J.
2001
Development Theory: Deconstruction/ Reconstruction,
Sage, New Delhi
 16. Preston, P.W. 1996
Development Theory- An Introduction Oxford Blackwell,
Sage, New Delhi
 17. Ruge, S. (ed)
2003
Sociology of Gender
Sage, New Delhi
 18. Sachs, J
2000
Understanding Development
Oxford, New Delhi
 19. Saha, G et al (ed)
2002
Development and Deprivation in Gujarat
Sage, New Delhi
 20. Schuurman, F.J.
2003
Globalisation and Development
Vistaar, New Delhi
 21. Singharoy, D (ed)
2001
Social Development and Empowerment of Marginalised
Groups Sage, New Delhi.

SYLLABUS FOR 2014-15

COURSE OF STUDIES FOR M.A. EXAMINATION IN SOCIOLOGY (UNDER SEMESTER SYSTEM IN UNIVERSITY TEACHING DEPARTMENT AND AFFILIATED COLLEGES)

M.A. Examination in Sociology shall be conducted in four semesters, each having 500 hundred marks, totalling to 2000 marks.
The detailed Course Structure Semester wise is mentioned below.

Sl No	Paper No	Title	Marks
-------	----------	-------	-------

7. Miller, D.C. and Farm W.M., 1964 The Sociology of Industry George Allen and Onwin, London
8. Philip H and Mellissa T., 2001 Work Post Modernism and organization Sage, New Delhi
9. Ramaswamy E.A., 1977 The worker and His union, Allied New Delhi
10. 1978 Industrial Relations in India OUP, new Delhi
11. Thiwail, P.K., 1987 Social Structure of a Planned Town, Institute of Social Research and Applied Anthropology, Calcutta.
12. Watson K. Tony, 1995 Sociology, work and industry Routledge and Kagan Paul, London.

Paper No.-XIX

Marks-80

Unit-I: Roots of Correction to prevent Crime

- a. Socialization
- b. Family values
- c. Role of education

Unit-II: Correction and It's Forms

- a. Meaning and Significance of Correction; Prison Based and Community Based
- b. Correctional Programmes in Prison; History of Prison Reforms in India
- c. After Care and Rehabilitation Programme.

Unit-III: Problem of Correctional Administration

- a. Overcrowding; Lack of Inter Agency Co-Ordination among Police Prosecution, Judiciary and Prison
- b. Prison Offences
- c. Problem of Criminal Justice Administration

Unit-IV: Victimological Perspective

- a. Victim's Responsibility in Crime
- b. Violation of Prisoner's Human Rights
- c. Problems of Women Offenders.

Unit-V: Community Policing

- a. Concept and Objectives
- b. Types
- c. Significance

References:

Department - Sociology

M.A. - IV Sem-

5. Devasia, L and Devasia, V.V. (ed), 1989 Female criminals and Female Victims: An Indian Perspective Dattsons, Nagpur
6. Goswami, B.K., 1983 Criminology and Penology Allahabad
7. Mohanty, S, 1990 Crime and Criminals in India Ashish Pub. House New Delhi.
8. Reid, S., 1976 Crime and Criminology Deydan press, Illinayse
9. Shankardas, R.D., 2000 Punishment and the Prison: India and International perspective, Sage, New Delhi.
10. Sutherland, E.H. and Donald, R.C., 1968 Principles of Criminology The Times of India Press, Bombay.
11. William, H.E., 1990 The correction Profession Sage, New Delhi.

Paper No.-XX

Marks-100

PROJECT REPORT

On Rural and Urban Problems
Scheme of Evaluation- 50% by Internal Examiner and rest 50% by Viva-Voce Examination evaluated both by the Internal and External Examiner.



B.A./B.Sc./B.Com./B.H.Sc. Part III
Foundation Course
English Language

M.M. 75

The question paper for B.A./B.Sc./B.Com./B.H.Sc. III Foundation course, English Language and General Answers shall comprise the following items : Five question to be attempted, each carrying 3 marks.

UNIT-I	Essay type answer in about 200 words, 5 essay type question to be asked three to be attempted.	15
UNIT-II	Essay writing	10
UNIT-III	Precise writing	10
UNIT-IV	(a) Reading comprehension of an unseen passage	05
	b) Vocabulary based on text	10
UNIT-V	Grammar Advanced Exercises	25

Note: Question on unit I and IV (b) shall be asked from the prescribed text, Which will comprise of popular create writing and the following items. Minimum needs housing and transport Geoeconomic profile of M.P. communication Educate and culture. Women and Work in Empowerment Development management of change, physical quality of life, War and human survival, the question of human social value survival, the question of human social value, new Economic Philosophy Recent Diberlialiation Method) Demoration decentralization (with reference to 73, 74 constitutional Amendment.

Books Prescribed:

Aspects of English Language and Development-Published by M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal.



VIII

WOMEN AND DEVELOPMENT

(Leela Dube)

After the Second World War there were dramatic changes in the political and social order of humankind. The decade of the 50s was dominated by the theme of liberty. One by one several former colonies and dependencies emerged as independent states. The decade of the 60s was dominated by the quest for development. The less developed countries of the world formulated plans to catch up with the advanced industrialised countries of the West. In the decade of the 70s, alongside developments, demand for equality began to articulate itself in several areas. One of its major manifestations was a new gender assertion by women who constituted one-half of the world. Feminism emerged as a powerful movement which could not be wished away or ridiculed. The basic demand of the feminist was simple equality. The movement sought to eradicate the scaly prejudices that had immobilized women in several spheres of activity.

While Indian social reform movement in the 19th and the early 20th century touched only a fringe of female population belonging to the middle and upper strata of society, participation of women on a massive scale in the freedom struggle led by Mahatma Gandhi brought them out of their seclusion. It helped in loosening and, to some extent, removing many social constraints and paved the way towards granting equality in the Constitution and in other formal



structures and frameworks of independent India.

Contrary to expectations, however, during the first two decades of independence there was a slow erosion of concern for issues and problems relating to women. During the 70s the gender question -- sexual inequality and exploitation -- was raised dramatically and became a major issue of contemporary debates. Women's status and problems came to occupy an important place in research and action programmes. This undoubtedly was part of the global trend. In India as elsewhere there is a vocal minority which professes to speak for the silent majority of women.

It is hardly necessary to emphasize that one cannot set any goals that would be equally meaningful to all women; for where classes and class interests operate in a society, it would be hazardous to claim that women are women first and last and that class (or even cultural and ethnic distinctions) are irrelevant so far as women's cause is concerned. At the same time it would be wrong also to say that there is nothing special about women that should warrant separate treatment and that women could be subsumed in the general framework that is used for understanding inequality in the society and for explaining skewed benefits of development. A healthier and more fruitful approach would be to consider both sex and class (as also social structure and culture) as relevant for understanding social inequality.

In this regard we shall focus our attention on three main themes. First, on the necessity of an adequate data base covering the status and role of women to ensure more relevant and meaningful development planning for them. Second, on how development negatively affects women. Third, on the relevance of social structure and of cultural factors in so far as they concern women in the general development of

depend on an adequate database and efficient information system. Women have suffered in this respect because of a number of factors. Census methodology has failed to record much of women's work that goes into the household economy. Under-reporting of women's work in the Census and other surveys causes difficulty in making cross-cultural, inter-regional, strata-wise, and urban-rural comparison within the country. Another difficulty has been regarding the category of 'head of the household' in the Census. Even when a woman is responsible for running the household and taking decisions it may not allow her being recorded as head of the household.

Many of the programmes in rural areas have been directed exclusively towards men. This non-recognition of women's crucial role in the economy has resulted in failures of the programme and at the same time has also contributed to the perpetuation of sexual inequality or even to deterioration of women's position.

Adverse or negative effects of development on women's situation may be seen in many areas. For example, improvement in factory laws for better conditions of work has often resulted in retrenchment of women workers. Rules regarding maternity leave, night shifts, and creches, which essentially relate to the reproductive and child-rearing functions of women, make the employment of female workers a more expensive proposition for the employer. A decline of female employment in textile mills in India is a case in point.

In the capital-intensive sectors women are assigned low paid unskilled jobs and are maintained as reserved work force. They are also relegated to jobs in the backward sectors of the economy. Women and children are found in large numbers in domestic service, cottage industries, and in the informal sector in general. Development of capitalist production thus brings greater suffering to women.

The need for taking into consideration the cultural and social



structural variations for development planning for women cannot be over-emphasized. Rules of inheritance, family structure, marital residence, seclusion and segregation are all relevant for understanding the situation of women. And development strategies must not take those aspects as given or immutable. True development will not be possible unless these aspects are also made targets of change to some extent. There is no gainsaying the fact that some of the assumptions made by the planners about men's and women's responsibilities in the production process and in supporting the families spring from these social, structural and cultural factors. Filling in the gaps between the lawyer's law and the reality is essential for real development.

By and large, women's problems do not have a compelling character because women are essentially a category and not a group which can be easily mobilized, few feminists may wage a war against males, but such an attitude does not take us far. In the Indian context it would be unrealistic to say that men as actors in the social system are wholly responsible for the social evils that affect women. In point of fact women are as much responsible for creating obstacles to change. Enlargement of women's consciousness and investment of social purpose in their lives appear to be prerequisites to development. In the meantime all forms of inequalities and exploitation will have to be exposed and the women's point of view injected into critical areas of planning and development.

(Adapted from "Women and Development"

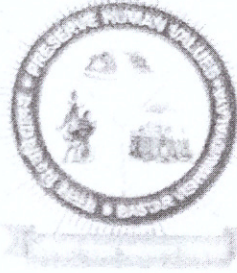
from Developmental Problems of Third World, 1988)

Notes and Exercises

For a proper development of society it is necessary that women are made a part of the development. The decade of the seventies ushered in an era of equality for women. Feminism emerged as an important movement during this decade. Now women's status and

बस्तर विश्वविद्यालय
जगदलपुर (धरमपुरा), जिला-बस्तर (छत्तीसगढ़)

www.bvvjdp.ac.in



पाठ्यक्रम

बी.ए.-1 (कोड-011) B. A.-1 (Code-011)

बी.ए. क्लासिक्स-1 (कोड-061) B.A. CLASSICS-1 (Code-061)

PART - I

SULLABUS FOR ENVIRONMENTAL STUDIES" FOR UNDER GRADUATE

1. "इन्वायरमेंटल साइंसेस" के पाठ्यक्रम को स्नातक स्तर भाग-एक की कक्षाओं में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार अनिवार्य रूप से शिक्षा सत्र 2003-2004 (परीक्षा 2004) से प्रभावशील किया गया है। स्वशासी महाविद्यालयों द्वारा भी अनिवार्य रूप से अंगीकृत किया जाएगा।
भाग 1, 2 एवं 3 में से किसी भी वर्ष में पर्यावरण प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। तभी उपाधि प्रदाय योग्य होगी।
2. पाठ्यक्रम 100 अंको का होगा, जिसमें से 75 अंकर सैद्धांतिक प्रश्नों पर होंगे एवं 25 अंक क्षेत्रीय कार्य (Field Work) पर होंगे।
3. सैद्धांतिक प्रश्नों पर अंक - 75 (सभी प्रश्न इकाई आधार पर रहेंगे जिसमें आंतरिक विकल्प रहेगा)
(अ) लघु प्रश्नोंत्तीर - 25 अंक
(ब) निबंधात्मक - 50 अंक
4. Field Work - 25 अंकों का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन पद्धति से कर विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जावेगा। अभिलेखों की प्रयोगिक उत्तर पुस्तिकाओं के समान संबंधित महाविद्यालयों द्वारा सुरक्षित रखेंगे।
5. उपरोक्त पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा का आयोजन वार्षिक परीक्षा के साथ किया जाएगा।
6. पर्यावरण विज्ञान विषय अनिवार्य विषय है, जिसमें अनुत्तीर्ण होने पर स्नातक स्तर भाग-एक के छात्र/छात्राओं को एक अन्य विषय के साथ पूरक की पात्रता होगी। पर्यावरण विज्ञान के सैद्धांतिक एवं फील्ड वर्क में संयुक्त रूप से 33% (तैंतीस प्रतिशत) अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य होंगे।
7. स्नातक स्तर भाग-एक के समस्त नियमित/भूतपूर्व/अमहाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं को अपना फील्ड वर्क सैद्धांतिक परीक्षा की समाप्ति के पश्चात 10 (दस) दिनों के भीतर संबंधित महाविद्यालय/परीक्षा केन्द्र में जमा करेंगे एवं महाविद्यालय के प्राचार्य/केन्द्र अधीक्षकों/परीक्षकों की नियुक्ति के लिए अधिकृत रहेगे तथा फील्ड वर्क जमा होने के सात दिनों के भीतर प्राप्त अंक विश्वविद्यालय को भेजेंगे।

PART - I

SULLABUS FOR ENVIRONMENTAL STUDIES" FOR UNDER GRADUATE

(paper code - 0828)

M.M. 75

UNIT-I THE MULTI DISCIPLINARY NATURE OF ENVIRONMENTAL STUDIES

Definition, scope and importance

Need for public awariness.

Natural Resources :

Renewable and nonrenewable resources :

Natural resources and associated problems.

- (a) Forest resources : Use and over-exploitation, deforestation, case studies, Timber extraction, mining, dams and their effects on forests and tribal people.
- (b) Water resources : Use and over-utilization of surface and ground water, floods, drought, conflicts over water, dams benefits and problems.
- (c) Mineral resources : Use and explotation, environmental effects of extracting and



- using mineral resources, case studies.
- (d) Food resources : World food problems, changes caused by agriculture and overgrazing, effects of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems, water logging, salinity, case studies.
- (e) Energy resources : Growing energy needs, renewable and non renewable energy sources, use of alternate energy sources. Case studies.
- (f) Land resources : Land as a resources, land degradation, man induced landslides, soil erosion and desertification.
 - Role of an individual in conservation of natural resources.
 - Equitable use of resources for sustainable life-styles.

(9 Lecture)

UNIT-II ECOSYSTEMS

Concept of an ecosystems.

Structure and function of an ecosystem.

- Producers, consumers and decomposers.
- Energy flow in the ecosystem.
- Ecological succession.
- Food chains, food webs and ecological pyramids.
- Introduction, types, characteristic features, structure and function of the following ecosystem :
 - a. Forest ecosystem
 - b. Grassland ecosystem
 - c. Desert ecosystem
 - d. Aquatic ecosystems (Ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries)

(9 Lecture)

UNIT-III Biodiversity and its Conservation

- Introduction - Definition : genetic, species and ecosystem diversity.
- Biogeographical classification of India.
- Value of biodiversity : consumptive use, productive use, social, ethical, aesthetic and option values.
- Biodiversity at global, National and local levels.
- India as mega-diversity nation.
- Hot-spots of biodiversity
- Threats to biodiversity : habitat loss, poaching of wildlife, manwildlife conflicts.
- Endangered and endemi species of India.
- Conservation of biodiversity : In situ and Ex-situ conservation of biodiversity

(9 Lecture)

UNIT-IV Environmental Pollution

Definition

- Causes, effects and control measures of -
 - a. Air pollution



- b. Water pollution
- c. Soil pollution
- d. Marine pollution
- e. Noise pollution
- g. Nuclear hazards.
- Solid waste management : Causes, effects and control measures of urban and industrial wastes.
- Role of an individual in prevention of pollution.
- Pollution case studies
- Disaster management : floods, earthquake, cyclone and landslides.

Human Population and the Environment

- Population growth, variation among nations,
- Population explosion - Family Welfare Programme.
- Environment and human health.
- Human Rights.

(9 Lecture)

UNIT-V Social Issues and the Environment

- From Unsustainable to Sustainable development.
- Urban problems related to energy.
- Water conservation, rain water harvesting, watershed management.
- Resettlement and rehabilitation of people, its problems and concerns. Case studies.
- Environmental ethics : Issues and possible solutions.
- Climate change, global warming, acid rain, ozone layer depletion, nuclear accidents and holocaust. Case studies.
- Wasteland reclamation.
- Consumerism and waste products.
- Environment Protection Act
- Air (Prevention and Control of Pollution) Act.
- Water (Prevention and Control of Pollution) Act.
- Wildlife Protection Act.
- Forest Conservation Act.
- Issues involved in enforcement of environmental legislation.
- Public awareness.
- Value Education
- HIV/AIDS
- Women and Child Welfare.
- Role of Information Technology in Environment and Human Health.
- Case Studies.



(9 Lecture)

FIELD WORK

- Visit to a local area to document environmental assets-river/forest/grassland/hill/mountain.
- Visit to local polluted site : Urban/Rural/Industrial/Agriculture.

Study of common plants, insects, birds.

Study of simple ecosystems-pond, river, hill slopes, etc. (Field work Equal to 5 lecture hours)

REFERENCES :

1. Agarwal K.C. 2001 Environmental Biology, Nidi Publ. Ltd. Bikaner.
2. Bharucha Erach, the Biodiversity of India, Mapin Publishing Pvt. Ltd. Ahmedabad 380 013, India, Email : mapin@icenet.net(R)
3. Bruinner R.C., 1989, Hazardous Waste Incineration, Mc Graw Hill Inc. 480p.
4. Clark R.S., Marine Pollution, Clanderson Press Oxford (TB).
5. Cuningham, W.P. Cooper, T.H. Gorhani, E & Hepworth, M.T. 200,
6. Dr A.K. Environmental Chemisry, Wiley Estern Ltd.
7. Down to Earth, Centre for Science and Environment (R)
8. Gloick, H.P. 1993 Water in crisis, Pacific Institute for studies in Deve, Environment & Security. Stockholm Eng. Institute. Oxford Univ, Press. 473p.
9. Hawkins R.E. Encyclopedia of Indian Natural History, Bombay Natural History Society, Mumbai (R).
10. Heywood, V.H. & Watson, R.T. 1995 Global Biodiversity Assessment, Cabridge Univ. Press 1140p.
11. Jadhav H. & Bhosale, V.H. 1995, Environmental Protection and Laws, Himalaya Pub. House. Delhi 284p.
12. Mckinney M.L. & School R.M. 1996, Environmental Science systems & Solutions, Web enhanced editio, 639p.
13. Mhaskar A.K., Matter Hazardous, Techno-Science Publication (TB).
14. Miller T.G. Jr., Environmental Science, Wadsworth Publishing Co. (TB).
15. Odum, E.P. 1971, Fundamentals of Ecology, W.B. Saunders Co. USA, 574p.
16. Rao M.N. & Datta, A.K. 1987, Waste Water treatment. Oxford & IBH Publ. Co. Pvt. Ltd. 345p.
17. Sharma B.K., 2001, Environmental Chemistry, Goel Publ. House, Meerut.
18. Survey of the Environment, The Hidu (M).
19. Townsend C., Harper J., and Michael Begon, Essentials of Ecology, Blackwell Science (TB).
20. Trivedi R.K. Handbook of Environmental Laws, Rules, Guidelines, Compliances and Standards, Vol. I and II, Environment Media (R).
21. Trivedi R.K., and P.K. Goel, Introduction to air pollution, Techno-Science Publications (TB).
22. Wagner K.D., 1998, Environmental Management. W.B. Saunders Co. Philadelphia, USA 499p.

(M) Magazine

(R) Reference

(TB) Textbook.

